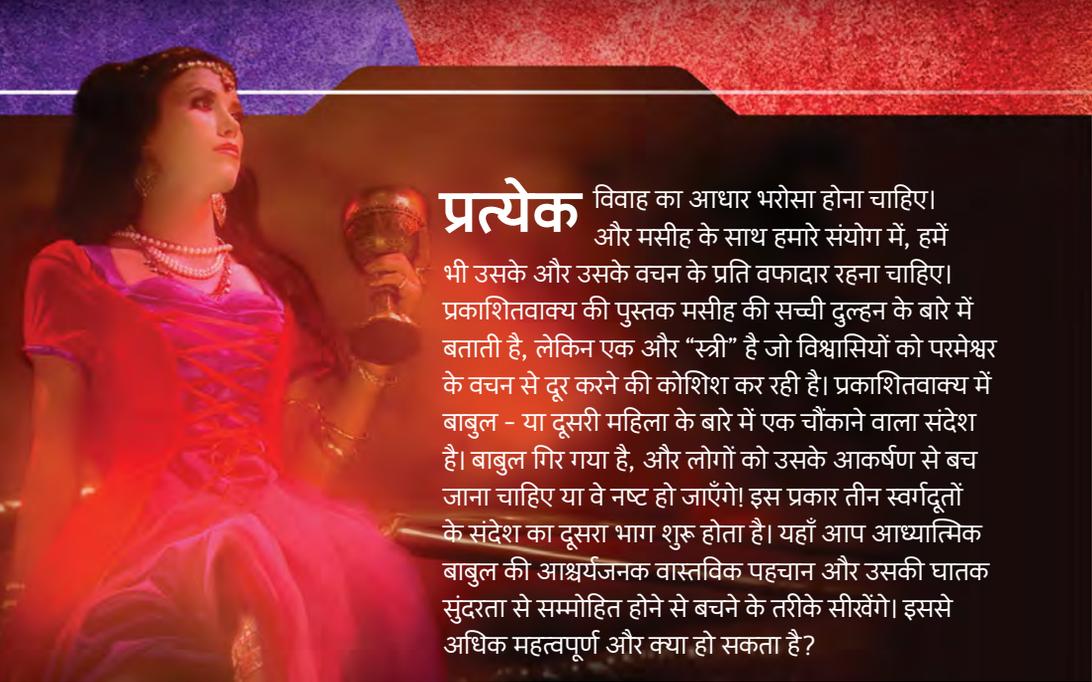


दूसरी स्त्री



अमेज़िंग फैक्ट्स
अध्ययन संदर्शिका

22



प्रत्येक

विवाह का आधार भरोसा होना चाहिए। और मसीह के साथ हमारे संयोग में, हमें भी उसके और उसके वचन के प्रति वफादार रहना चाहिए। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक मसीह की सच्ची दुल्हन के बारे में बताती है, लेकिन एक और “स्त्री” है जो विश्वासियों को परमेश्वर के वचन से दूर करने की कोशिश कर रही है। प्रकाशितवाक्य में बाबुल - या दूसरी महिला के बारे में एक चौंकाने वाला संदेश है। बाबुल गिर गया है, और लोगों को उसके आकर्षण से बच जाना चाहिए या वे नष्ट हो जाएंगे! इस प्रकार तीन स्वर्गादूतों के संदेश का दूसरा भाग शुरू होता है। यहाँ आप आध्यात्मिक बाबुल की आश्चर्यजनक वास्तविक पहचान और उसकी घातक सुंदरता से सम्मोहित होने से बचने के तरीके सीखेंगे। इससे अधिक महत्वपूर्ण और क्या हो सकता है?

1

प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु ने बाबुल का वर्णन कैसे किया?

“मैं तुझे उस बड़ी वेश्या का दण्ड दिखाऊँ, जो बहुत-से पानी पर बैठी है। ... मैं ने लाल रंग के पशु पर, जो निन्दा के नामों से भरा हुआ था और जिसके सात सिर और दस सींग थे, एक स्त्री को बैठे हुए देखा। यह स्त्री बैंगनी और लाल रंग के कपड़े पहिने थी, और सोने और बहुमूल्य मणियों और मोतियों से सजी हुई थी, और उसके हाथ में एक सोने का कटोरा था जो घृणित वस्तुओं से और उसके व्यभिचार की अशुद्ध वस्तुओं से भरा हुआ था। उसके माथे पर यह नाम लिखा था, भेद-बड़ा बाबुल पृथ्वी की वेश्याओं और घृणित वस्तुओं की माता” (प्रकाशितवाक्य 17:1, 3-5)।

उत्तर: प्रकाशितवाक्य 17:1-5, में यीशु लाल और बैंगनी रंग में सजी एक वेश्या के रूप में बाबुल का वर्णन करता है। वह एक लाल रंग के पशु पर बैठी है, जिसमें सात सिर और दस सींग हैं और कई जलों पर बैठती हैं।

2

प्रकाशितवाक्य अध्याय 12 की प्रतीकात्मक शुद्ध स्त्री कौन है?

उत्तर: प्रकाशितवाक्य 12:1-6 में सूर्य ओढ़े हर एक शुद्ध स्त्री को दिखाया गया है। हमने अध्ययन संदर्शिका 20 में सीखा है कि यह शुद्ध स्त्री परमेश्वर के शुद्ध कलीसिया का प्रतीक है, जो अपने पति, यीशु के प्रति वफादार है। हम अध्ययन संदर्शिका 23 में गहराई से प्रकाशितवाक्य अध्याय 12 का अध्ययन करेंगे।



3

बाइबल की भविष्यवाणी में वेश्या किसकी प्रतीक है?

“यरूशलेम को उसके सब घृणित काम जता दे। ...परन्तु तू अपनी सुन्दरता पर भरोसा करके अपनी नामवरी के कारण व्यभिचार करने लगी” (यहेजकेल 16:2, 15)।

उत्तर: जिस तरह से एक शुद्ध स्त्री शुद्ध कलीसिया का प्रतीक है जो यीशु के प्रति वफादार है, उसी प्रकार एक अशुद्ध स्त्री, यीशु के साथ विश्वासघात (याकूब 4:4) करने वाली कलीसिया का प्रतीक है।

4

क्या हम प्रकाशितवाक्य अध्याय 17 में वेश्या (कलीसिया) की पहचान कर सकते हैं जिसे “बड़ा बाबुल, वेश्याओं की माता” कहा गया है?

उत्तर: हाँ। यह व्यापक रूप से ज्ञात है कि केवल एक ही कलीसिया है जो कि माता कलीसिया होने का दावा करती है—और वह है रोमन कैथोलिक कलीसिया। एक प्रमुख कैथोलिक पादरी जॉन ए ओ'ब्रायन ने कहा, “वह रीति [रविवार-पालन] माता कलीसिया की याद दिलाने के रूप में बनी हुई है, जहाँ से गैर-कैथोलिक संप्रदाय टूट कर अलग हो गए।”¹ प्रकाशितवाक्य 17 में वर्णित तर्क में बाबुल और जिस पशु की वह सवारी करती है, स्पष्ट रूप से पोपतंत्र पर ठीक बैठती है:

- क. उसने संतों को सताया (पद 6)। (अध्ययन संदर्शिकाएं 15 और 20. देखें)
- ख. वह बैंगनी और लाल रंग की पोशाक में थी (पद 4)। पोप अक्सर महत्वपूर्ण कार्यों में बैंगनी के शाही रंग पोशाक पहनते हैं, और कैथोलिक कार्डिनल के वस्त्रों का रंग लाल होता है।
- ग. पशु के सात सिर (पद 3) जिस पर स्त्री बैठी हैं, सात पहाड़ हैं (पद 9)। यह अच्छी तरह से ज्ञात है कि रोम, पोपतंत्र का मुख्यालय, सात पहाड़ों या पहाड़ों पर बनाया गया है।
- घ. पशु निन्दा (आयत 3) का दोषी है, एक तर्क जो स्पष्ट रूप से पोपतंत्र को पर सटीक बैठता है। (अध्ययन संदर्शिकाएं 15 और 20. देखें)
- ङ. वह “पृथ्वी के राजों पर राज्य करती है” (पद 18)। अलेक्जेंडर फिलिक का कहना है कि 13 वीं शताब्दी तक, पोप “कम से कम सिद्धांत में ... अस्थायी और आध्यात्मिक मामलों में पूरी दुनिया का शासक था।”² यह तर्क किसी अन्य सांसारिक साम्राज्य या सरकार पर सटीक नहीं बैठता है। पोपतंत्र को प्रकाशितवाक्य 17 में स्पष्ट रूप से संदेह से परे वर्णित किया गया है।

ध्यान दें: कई धर्मसुधारक अगुओं (हस, वाईक्लिफ, लूथर, केल्विन, जिंविंगली, मेल्लेथन, क्रैनर, टिंडेल, लैटिमेर, रिडले और अन्य) ने सिखाया कि पोपतंत्र ही यह शक्ति है।

1 जॉन ए ओ'ब्रायन, द फेथ ऑफ मिलियंस (हंटिंगटन, आईएन: हमारा रविवार विज़िटर, इंक, 1974), पृ. 401.

2 द राइज ऑफ द मेडिवल कलीसिया (न्यूयॉर्क: बर्ट फ्रैंकलिन, 1959), 575.

3 जॉर्ज एल्डन लाड, द धन्य होप (ग्रैंड रैपिड्स, एमआई: विलियम बी। एर्डमैन पब्लिशिंग कं, 1956), पृ. 32-34।

5

“बाबुल” शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है और इसकी उत्पत्ति क्या है?

“आओ, हम एक नगर और एक गुम्मत बना लें। जिसकी चोटी आकाश से बातें करे ... और यहोवा ने कहा, “... आओ, हम उतर के उनकी भाषा में गड़बड़ी डालें, कि वे एक दूसरे की बोली को न समझ सकें।” ... इस कारण उस नगर का नाम बाबुल [भ्रम] पड़ा; क्योंकि सारी पृथ्वी की भाषा में जो गड़बड़ी है” (उत्पत्ति 11:4, 6, 7, 9)।

उत्तर: “बाबेल” और “बाबुल” शब्द का अर्थ “भ्रम” है। बाबुल के नाम की उत्पत्ति बाबेल के गुम्मत में हुई, जो बाढ़ के बाद विद्रोही मूर्तिपूजकों के द्वारा बनाया गया था, जिन्होंने इसे इतना ऊँचा बनाने की उम्मीद की थी कि कोई भी बाढ़ कभी भी इसे डुबा नहीं कर सकती (पद 4)। लेकिन परमेश्वर ने उनकी भाषा को भ्रमित कर दिया, और परिणामस्वरूप भ्रम इतना बड़ा था कि उन्हें निर्माण रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। तब उन्होंने गुम्मत को “बाबेल” (बाबुल), या “भ्रम” कहा। बाद में, पुराने नियम के दिनों में, बाबुल नाम का एक विश्वव्यापी मूर्तिपूजक साम्राज्य उभरा; यह परमेश्वर के लोग, यानि इस्राएल, का दुश्मन था। इसने विद्रोह, आज्ञा उल्लंघन, और परमेश्वर के लोगों का उत्पीड़न किया (विर्मयाह 39:6, 7;

50:29, 31-34; 51:24, 34, 47; दानियेल 3 और 5)। यशायाह अध्याय 14 में, परमेश्वर बाबुल को शैतान के प्रतीक के रूप में प्रयोग करता है क्योंकि बाबुल बहुत शत्रुतापूर्ण और परमेश्वर के काम और उसके लोगों के लिए विनाशकारी था। नए नियम की पुस्तिका, प्रकाशितवाक्य में, “बाबुल” शब्द का प्रयोग धार्मिक साम्राज्य को संकेत करने के लिए किया जाता है जो कि परमेश्वर के आध्यात्मिक इस्राएल यानि कलीसिया का दुश्मन है (प्रकाशितवाक्य 14:8; 16:19)।

6

प्रकाशितवाक्य 17:5 में वर्णित, माता बाबुल की वेश्या बेटियाँ कौन हैं?

उत्तर: वे कुछ ऐसे कलीसिया हैं जो मूल रूप से माता बाबुल की झूठी शिक्षाओं का विरोध करते थे, और महान प्रोटेस्टेंट (धर्मसुधार) के दौरान उसे छोड़ दिया था। लेकिन बाद में उन्होंने माता के सिद्धांतों और कार्यों की नकल करना शुरू कर दिया और इस प्रकार खुद को गिरा लिया। कोई स्त्री एक वेश्या पैदा नहीं होती है। न ही प्रतीकात्मक प्रोटेस्टेंट बेटी कलीसिया गिरी हुई पैदा हुई थी। कोई भी कलीसिया या संगठन जो बाबुल के झूठे सिद्धांतों और प्रथाओं को सिखाता है और उसका पालन करता है, गिरी हुई कलीसिया या बेटी बन सकती है। तो बाबुल एक परिवार का नाम है जो माता कलीसिया और उसकी गिरी हुई बेटियों, दोनों को गले लगाता है।



7

प्रकाशितवाक्य 17 में, माता बाबुल को पशु पर सवार हुए में क्यों चित्रित किया गया है? पशु किसका प्रतीक है?

उत्तर: प्रकाशितवाक्य 13:1-7 में, यीशु कलीसिया और राज्य के संयोजन के रूप में पोपतंत्र का चित्रण करता है। (अधिक जानकारी के लिए, अध्ययन संदर्शिका देखें 20)। प्रकाशितवाक्य अध्याय 17 में, यीशु ने कलीसिया (वेश्या) और राज्य (पशु) को अलग-अलग संस्थाओं के रूप में दर्शाया है, हालांकि यह संबंधित हैं। स्त्री पशु की सवारी कर रही है, जो दर्शाता है कि कलीसिया राज्य को नियंत्रित करती है।

8

अंत-समय की घटनाओं को पूरा करने में पोपतंत्र के साथ कौन सी अन्य शक्तियाँ एकजुट होंगी?

“फिर मैं ने उस अजगर के मुँह से, और उस पशु के मुँह से, और उस झूठे भविष्यद्वक्ता के मुँह से तीन अशुद्ध आत्माओं को मेंढकों के रूप में निकलते देखा। ये चिह्न दिखानेवाली दुष्टात्माएँ हैं, जो सारे संसार के राजाओं के पास निकलकर इसलिये जाती हैं कि उन्हें सर्वशक्तिमान परमेश्वर के उस बड़े दिन की लड़ाई के लिये इकट्ठा करें” (प्रकाशितवाक्य 16:13, 14)।

उत्तर: प्रकाशितवाक्य 12:3, 4, का अजगर और प्रकाशितवाक्य 13:11-14 और 19:20 के झूठे भविष्यद्वक्ता ने प्रकाशितवाक्य 13:1-8, या पोपतंत्र के पशु के साथ गठबंधन बनाया।

क. प्रकाशितवाक्य 12 का अजगर, जो शैतान का प्रतीक है, जो मूर्तिपूजक रोम के माध्यम से काम करता है। (अधिक जानकारी के लिए अध्ययन संदर्शिका 20 देखें)। इन अंतिम दिनों में अपवित्र साझेदारी में इस्लाम, बौद्ध धर्म, शिंतो धर्म, हिंदू धर्म, नए युग के धर्म, धर्मनिरपेक्ष मानवतावाद, आदि के रूप में गैर मसीह धर्म भी शामिल होंगे।

ख. झूठा नबी संयुक्त राज्य अमेरिका में केंद्रित धर्म भ्रष्ट प्रोटेस्टेंट का प्रतीक है, जो पशु की विश्वव्यापी स्तुति करने में अग्रणी होगा (अध्ययन संदर्शिका 21 देखें)।

ग. पशु पोपतंत्र है (अध्ययन संदर्शिका 20 देखें)।

घ. ये तीन शक्तियाँ: गैर-मसीह धर्म और सरकारें, धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटिज्म, और रोमन कैथोलिक धर्म परमेश्वर, उसकी व्यवस्था और उसके वफादार अनुयायियों के खिलाफ अंतिम युद्ध में हर-मगिदोन में सहयोगी बनेंगे। प्रकाशितवाक्य 18:2 में यीशु द्वारा इस गठबंधन को “बड़ा बाबुल” कहा जाता है।



9

इस तरह की विभिन्न पृष्ठभूमि के साथ संगठन प्रभावी ढंग से कैसे एकजुट होंगे?

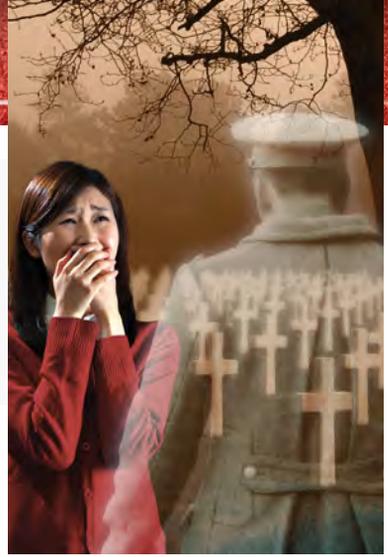
“ये सब एक मन होंगे, और वे अपनी अपनी सामर्थ्य और अधिकार उस पशु को देंगे” (प्रकाशितवाक्य 17:13)।

उत्तर: प्रकाशितवाक्य 16:13, 14 कहता है, “मेंढकों के रूप में” “अशुद्ध आत्माएँ,” जो “दुष्टात्माएँ” हैं, उन्हें उन चमत्कारों के माध्यम से एकजुट करती हैं, जो वे करेंगे। आत्मावाद - यह विश्वास कि मृत जीवित हैं और जीवित से संपर्क कर सकते हैं - वह सिद्धांत है जो सभी को एक साथ जोड़ेगा। शैतान और उसके स्वर्गदूत ऐसा दिखाएँगे कि वह मृत प्रियजनों की आत्माओं, पुराने समय के भविष्यवक्ताओं, स्वर्ग के स्वर्गदूतों (2 कुरिंथियों 11:13, 14), और यहाँ तक कि मसीह के रूप में भी (मती 24:24) - दुनिया को यह विश्वास दिलाएगा कि उनका काम स्वर्ग से निर्देशित है (अध्ययन संदर्शिका देखें 10)। संयोग से, सभी तीन संस्थाओं का मानना है कि मृत जीवित हैं:

क. कैथोलिक लोग मरियम और अन्य मृत संतों से प्रार्थना करते हैं, और मानते हैं कि ये संत चमत्कारों के साथ अपने अनुयायियों को आशीर्वाद देते हैं।

ख. गैर-मसीह धर्म मृतकों की आत्माओं में विश्वास करते और उनकी स्तुति भी करते हैं। नया युग “चैनलिंग (माध्यम)” पर जोर देता है जिस के द्वारा - मृतकों की आत्माओं से बात की जा सकती है।

ग. धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटिज्म का मानना है कि मृत, मृत नहीं हैं, बल्कि, स्वर्ग या नरक में जीवित हैं। वे दुष्टात्माओं के द्वारा मरे हुएों की आत्माओं के रूप में लोगों के सामने आने के धोखे के शिकार हो सकते हैं।



10

परमेश्वर किस पाप के लिए बाबुल को दोषी ठहराता है?

“बड़ा बाबुल गिर गया है” (प्रकाशितवाक्य 18:2)। “... वह दुष्टात्माओं का निवास, और हर एक अशुद्ध आत्मा का अड्डा, ... हो गया। ... तेरे टोने से सब जातियाँ भरमाई गई थीं” (प्रकाशितवाक्य 18:2, 23)। उसके सोने का कटोरे से जो घृणित वस्तुओं से और उसके व्यभिचार की अशुद्ध वस्तुओं से भरा हुआ था “पृथ्वी के रहनेवाले उसके व्यभिचार की मदिरा से मतवाले हो गए थे” (प्रकाशितवाक्य 17:2, 4; 18:3)। “पृथ्वी के राजाओं ने उसके साथ व्यभिचार किया है” (प्रकाशितवाक्य 18:3)।

उत्तर: “गिरने” का अर्थ बाइबल की सच्चाई और सच्चे परमेश्वर की आराधना से दूर होना है (2 पतरस 3:17, 18)। इस प्रकार, परमेश्वर बाबुल को (1) शैतानों के साथ भावनात्मकता के माध्यम से अपने बीच में दुष्ट आत्माओं को आमंत्रित करके और (2) झूठ बोलने वाली, दुष्ट आत्माओं के माध्यम से लगभग पूरी दुनिया को धोखा देने के लिए शैतान को दोषी ठहराता है। झूठ बाइबल में घृणा का एक प्रकार है (नीतिवचन 12:22)। बाबुल की मदिरा, जिसमें झूठी शिक्षाएँ शामिल हैं, उसे पीने वाले



लोगों को गुमराह और सूत्र कर देती है और उन्हें आध्यात्मिक रूप से नशे में डाल देती है। इसके विपरीत, कलीसिया मसीह की दुल्हन है (प्रकाशितवाक्य 19:7, 8) और वह उससे प्यार करता है और केवल उसके प्रति वफादार है - यीशु के कहने का अर्थ था कि उसकी आज्ञाओं को माना जाये (यूहन्ना 14:15)। इसलिए, पोपतंत्र को अपने पति, यीशु (याकूब 4:4) से दूर होने और सरकारों (कलीसिया और राज्य का गठजोड़) के साथ अवैध संबंध बनाने का दोष दिया गया है। इसके अलावा बाबुल, “मनुष्यों के प्राण” की तस्करी (प्रकाशितवाक्य 18:11-13) भी करती है; इस प्रकार से, परमेश्वर की संतानों के बजाय लोगों को व्यापार के सामान की तरह प्रयोग करने बाबुल के लिए परमेश्वर ने उसकी की निंदा की।

11

बाबुल की मदिरा में कौन सी झूठी शिक्षाएँ निहित हैं जो लोगों को आध्यात्मिक रूप से नशे में और उलझन में डालती हैं?

उत्तर: आश्चर्यजनक रूप से, आज प्रोटेस्टेंटिज्म के कुछ सबसे प्रमुख सिद्धांत बाइबल में नहीं पाए जाते हैं। उन्हें रोम की माता कलीसिया द्वारा प्रोटेस्टेंट कलीसियाओं में लाया गया है, जिन्होंने उन्हें मूर्तिपूजा से प्राप्त किया था। इनमें से कुछ झूठी शिक्षाएँ हैं:

- क. परमेश्वर की व्यवस्था में संशोधन किया गया है या उसे निरस्त किया गया है। परमेश्वर की व्यवस्था को कभी बदला या रद्द नहीं किया जा सकता (लूका 16:17)। इस सत्य के शक्तिशाली सबूत के लिए अध्ययन संदर्शिका 6 देखें।
- ख. आत्मा अमर है। बाइबल में “प्राण” और “आत्मा” का उल्लेख लगभग 1,000 बार किया गया है। एक बार भी इसे अमर के रूप में जाना गया है। लोग नाशवान हैं (अय्यूब 04:17), और कोई भी यीशु के दूसरे आगमन से पूर्व अमरत्व प्राप्त नहीं कर सकता है (1 कुरिन्थियों 15:51-54)। (अधिक जानकारी के लिए अध्ययन संदर्शिका 10 देखें।)
- ग. पापी नर्क में सदा काल के लिए जलता रहता है। बाइबल सिखाती है कि पापी और आत्मा दोनों को आग से भस्म करके, उनका अस्तित्व मिटा दिया जाएगा (मत्ती 10:28)। बाइबल में एक पीड़ादायक अनन्त नरक की शिक्षा नहीं है। (अध्ययन संदर्शिका में विवरण देखें 11)।
- घ. डुबकी द्वारा बपतिस्मा आवश्यक नहीं है। डुबकी द्वारा बपतिस्मा पवित्रशास्त्र द्वारा मान्यता प्राप्त एकमात्र बपतिस्मा है। (अधिक जानकारी के लिए अध्ययन संदर्शिका 9 देखें।)
- ङ. रविवार परमेश्वर का पवित्र दिन है। बाइबल, बिना किसी प्रश्न के सिखाती है, कि परमेश्वर का पवित्र दिन सातवें दिन सब्त-शनिवार है। (विवरण के लिए, अध्ययन संदर्शिका देखें 7)।

नोट: इन झूठी शिक्षाओं को एक बार मानने से “भ्रम” पैदा करती है (यह शब्द “बाबुल” का शाब्दिक अर्थ) जो सुसमाचार को समझने में कठिनाई उत्पन्न करता है।

एक गंभीर बात

यह गंभीर बात है कि कुछ लोग अनजाने में बाबुल की मदिरा पी रहे हैं। शायद यह आपके लिए बिल्कुल नया है। यदि ऐसा है, तो परमेश्वर से मार्गदर्शन करने के लिए प्रार्थना करें (मत्ती 7:7, 8)। फिर शास्त्रों का अध्ययन करें (प्रेरितों के काम 17:11)। आप वादा करें कि यीशु जिस ओर जायेगा आप जायेंगे। और वह आप को गलती में पड़ने नहीं देगा (यूहन्ना 07:17)।

12

हर-मगिदोन की लड़ाई में परमेश्वर की तरफ कौन होगा?

उत्तर: इस अंतिम लड़ाई में, शैतान और उसके समर्थकों के खिलाफ स्वर्ग के स्वर्गदूत (इब्रानियों 1:13, 14; मत्ती 13:41, 42) और परमेश्वर के लोग-बचे हुए लोग (प्रकाशितवाक्य 12:17) -यीशु के साथ होंगे, जो स्वर्ग की सेनाओं की अगुवाई करता है (प्रकाशितवाक्य 19:11-16)। परमेश्वर के बचे हुए लोग, उन लोगों से बना है जो बाबुल के झूठ को मानने से इनकार करते हैं (अध्ययन संदर्शिका 23 देखें)। वे (1) यीशु के प्रति उनके प्रेम (1 यूहन्ना 5:2, 3), (2) उसके प्रति उनकी निष्ठा और विश्वास (प्रकाशितवाक्य 14:12), और (3) उसके वचन और आज्ञाओं के प्रति उनकी आज्ञाकारिता के लिए जाने जाते हैं (प्रकाशितवाक्य 12:17; यूहन्ना 8:31, 32)।

13

परमेश्वर की सच्चाई और शैतान के झूठ के बीच इस अंतिम संघर्ष में शैतान की रणनीति क्या होगी?

उत्तर: यद्यपि शैतान परमेश्वर और उसके पुत्र से नफरत करता है, फिर भी वह और उसकी दुष्टात्माएँ पवित्र स्वर्गदूतों और समर्पित मसीही पादरियों (2 कुरिन्थियों 11:13-15) के रूप में स्वयं को तैयार रखेंगे। वह अपने पक्ष के सबूत के रूप में जो भी प्रस्तुत करता है वह इतना धर्मी, आध्यात्मिक और यीशु जैसा लगता है कि पृथ्वी पर लगभग हर कोई धोखा खा जाएगा और उसका अनुसरण करने लग जाएगा (मत्ती 24:24)। वह बाइबल का प्रयोग करेगा, जैसा कि उसने जंगल में यीशु को परीक्षा देने के दौरान किया था (मत्ती 4:1-11)। शैतान का तर्क इतना प्रेरक है कि उसने स्वर्ग के एक तिहाई स्वर्गदूतों, आदम और हव्वा, और बाढ़ के समय, आठ लोगों को छोड़कर धरती पर सब लोगों को धोखा दिया।

14

परमेश्वर की जवाबी रणनीति क्या है?

“व्यवस्था और चितौनी ही की चर्चा किया करो! यदि वे लोग इन वचनों के अनुसार न बोलें तो निश्चय उनके लिये पौ न फटेगी” (यशायाह 8:20)।



उत्तर: परमेश्वर हमेशा शैतान के झूठ का उत्तर सत्य से देता है। जब जंगल में शैतान परीक्षा ले रहा था, तो यीशु ने बार-बार पवित्रशास्त्र का उदाहरण दिया (मती 4:1-11)। अपने चुने हुए बच्चे हुए लोगों के माध्यम से, परमेश्वर बड़े बाबुल की अधर्मी प्रकृति के बारे में सच्चाई बताता है। वह यह स्पष्ट करेगा कि बाबुल एक झूठा सुसमाचार प्रस्तुत कर रहा है (गलतियों 1:8-12), जिसने अरबों लोगों को धोखा दिया जिसके कारण वे खो गए। परमेश्वर का जवाबी मुकाबला, प्रकाशितवाक्य 14:6-14 के महान तीन स्वर्गदूतों के संदेशों में उल्लेखित है, जिनकी हम इस श्रृंखला में 27 अध्ययन संदर्शिकाओं में से नौ में जांच कर रहे हैं। ये तीन शानदार संदेश शैतान के झूठ और नकली

बातों के खिलाफ खुलासा करते हैं और चेतावनी देते हैं। और लोगों को परमेश्वर की आराधना करने और उसकी आज्ञा मानने के लिए बुलाते हैं, न केवल आत्मा में बल्कि बाइबल की सच्चाई में भी।

15

क्या परमेश्वर के अंत-समय की, चेतावनी और आशा के संदेश प्रभावी होंगे?

“इसके बाद मैंने एक स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा, जिसे बड़ा अधिकार प्राप्त था; और पृथ्वी उसके तेज से चमक उठी” (प्रकाशितवाक्य 18:1)।

उत्तर: पवित्रशास्त्र में, स्वर्गदूत संदेशवाहक या संदेश के प्रतीक हैं (इब्रानियों 1:13, 14)। परमेश्वर की अंत-समय की गुहार का प्रतीक एक शक्तिशाली स्वर्गदूत के द्वारा किया जा रहा है जिसकी शक्ति इतनी महान है कि पूरी दुनिया परमेश्वर की सच्चाई और महिमा से उज्वलित हो जाती है। परमेश्वर द्वारा दिया गया यह अंतिम संदेश पूरी दुनिया के निवासियों के पास जाएगा (प्रकाशितवाक्य 14:6; मरकुस 16:15; मती 24:14)।



16

यीशु, बाबुल में रहनेवाले लोगों से कौन सा अंतिम महत्वपूर्ण आग्रह करेगा?

उत्तर: वह कहेगा, “हे मेरे लोगो, उस में से निकल आओ कि तुम उसके पापों में भागी न हो, और उसकी विपत्तियों में से कोई तुम पर आ न पड़े। क्योंकि उसके पापों का ढेर स्वर्ग तक पहुँच गया है, और उसके अधर्म परमेश्वर को स्मरण आए हैं” (प्रकाशितवाक्य 18:4, 5)। कृपया ध्यान दें कि यीशु ने, बाबुल के कई लोगों को, “मेरे लोगों” के रूप में संदर्भित किया है। बाबुल में लाखों ईमानदार मसीही हैं जिन्होंने अभी तक इस चेतावनी के इस संदेश को नहीं सुना है। ये लोग परमेश्वर से बहुत प्यार करते हैं, और यीशु कहते हैं कि वे उसकी संतानें हैं।



17

जो लोग यीशु से प्यार करते हैं, लेकिन जो अभी बाबुल में हैं, जब वे उसका आग्रह सुनते हैं, तो उनकी प्रतिक्रिया क्या होगी?

उत्तर: यीशु कहता है, “मेरी और भी भेड़ें हैं, जो इस भेड़शाला की नहीं। मुझे उनको भी लाना अवश्य है। वे मेरा शब्द सुनेंगी, तब एक ही झुण्ड और एक ही चरवाहा होगा। ... मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं; मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे पीछे चलती हैं” (यूहन्ना 10:16, 27)। यीशु अपने बच्चों को जो बाबुल में हैं, पहचानता है। इसके अलावा, वह बाबुल के नष्ट होने से पहले, उन्हें बाबुल से बाहर बुलाए जाने का वादा करता है। सबसे अधिक महिमावान, यीशु ने वादा किया है कि उसके लोग जो अभी तक बाबुल में हैं, उसकी आवाज सुनेंगे और उनकी पहचान करेंगे और सुरक्षा के लिए बाहर आएँगे।

नोट: प्रकाशितवाक्य 14:6-14 के तीन स्वर्गदूतों के संदेशों की श्रृंखला में यह नौ में से सातवीं अध्ययन संदर्शिका है। हमारी अगली अध्ययन संदर्शिका परमेश्वर के अंत-समय के कलीसिया का इतना स्पष्ट रूप से वर्णन करेगी कि आप इसे पहचानने में असफल नहीं हो सकते हैं।

18

यदि आप बाबुल में हैं, तो क्या आप उससे बाहर आने के लिए यीशु की अत्यावश्यक आग्रह पर ध्यान देने को तैयार हैं?

आपका उत्तर:

आपके प्रश्नों के उत्तर

1. क्या मैं बाबुल में नहीं रहूँ और बाहर आने की बजाय उसे सुधारने की कोशिश न करूँ?

उत्तर: नहीं। यीशु कहता है कि बाबुल नष्ट हो जाएगा, सुधार नहीं होगा। वह निराशाजनक रूप से अपनी मदिरा से मतवाली हो जाएगी (**प्रकाशितवाक्य 18:2-6**) में, शराब को झूठी शिक्षा के रूप में पहचाना गया। यही कारण है कि वह अपने लोगों को बुलाता है (**प्रकाशितवाक्य 18:4**)।

2. प्रकाशितवाक्य 16:12 के पूर्व के राजा कौन हैं?

उत्तर: पूर्व के राजा स्वर्ग के राजा (पिता और पुत्र) हैं। उन्हें पूर्व के राजा कहा जाता है क्योंकि यह वह दिशा है जिस से स्वर्गदूत पृथ्वी पर आते हैं। निम्नलिखित पर ध्यान दें, उदाहरण के लिए:

क . यीशु का दूसरा आगमन पूर्व से होगा (**मत्ती 24:27**)।

ख . परमेश्वर की महिमा पूर्व से आती है (**यहेजकेल 43:2**)।

ग . प्रकाशितवाक्य का मुहर लगाने वाला स्वर्गदूत पूर्व से आता है (**प्रकाशितवाक्य 7:2**)।

घ . सूर्य का प्रतीक, यीशु का प्रतीक है, पूर्व में उगता है (**मलाकी 4:2**)।

3. क्या बाबुल के पतन के बारे में चेतावनी का मतलब है कि बाबुल हमेशा से गिरा हुआ नहीं था?

उत्तर: हाँ। अतीत में बहुत से कलीसिया जो बाबुल में हैं वे यीशु के वफादार रहे हैं। संस्थापक दोषी थे, लेकिन परमेश्वर के प्रति समर्पित लोग थे, जो अपनी सारी सच्चाइयों को खोजने के लिए बाइबल की खोज कर रहे थे। आज सभी कलीसिया गिरी नहीं हैं। हालांकि, कोई भी कलीसिया जो माता बाबुल के झूठे सिद्धांतों को सिखाता है और उसकी प्रथाओं का पालन करता है, वह उसकी गिर चुकी बेटियों में से एक बन सकती है।

4. जब बाबुल से बाहर निकलने की पुकार होगी, तो एक मसीही को कहाँ जाना चाहिए?

उत्तर: उन लोगों को ढूँढें जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते हैं, यीशु पर विश्वास रखते हैं, और दुनिया भर में तीन स्वर्गदूतों के संदेश प्रचार कर रहे हैं, उनसे जुड़ें (**प्रकाशितवाक्य 14:6-12**)। अध्ययन संदर्शिका 23 आखिरी दिनों के लिए पूरी तरह से परमेश्वर की कलीसिया का वर्णन करेगी।

5. प्रकाशितवाक्य 17:12-16 के 10 राजा क्या दर्शाते हैं?

उत्तर: 10 राजा दुनिया के राष्ट्रों का प्रतीक हैं। दानिय्येल अध्याय 2 की मूर्ति के 10 पैर और दानिय्येल अध्याय 7 के भयानक पशु के 10 सींग यूरोप के 10 साम्राज्यों का प्रतीक हैं। हालांकि, इसका मतलब प्रकाशितवाक्य अध्याय 11 से 18 में, उसका अर्थ है “पृथ्वी के राजा” या “सभी जातियां।” (**प्रकाशितवाक्य 16:14; 18:3** देखें)।

6. प्रकाशितवाक्य 16:13, 14 में “मेंढक” किसका प्रतीक है?

उत्तर: एक मेंढक अपनी जीभ से अपने शिकार को पकड़ता है, जो अब दुनिया भर में अलग-अलग भाषाओं को बोलने का ढोंग करने वाले नकली उपहार का प्रतीक हो सकता है। कृपया याद रखें कि जीभों के उपहार सहित चमत्कार, केवल एक चीज, अलौकिक शक्ति, को साबित करते हैं। लेकिन बाइबल हमें सूचित करती है कि अलौकिक शक्ति, या तो परमेश्वर से या शैतान से हो सकती है। यह आगे बताता है कि शैतान, एक स्वर्गदूत के रूप में प्रस्तुत होकर (2 कुरिन्थियों 11:14), अलौकिक चमत्कारों का इतना प्रभावी ढंग से उपयोग करेगा कि लगभग पूरी दुनिया धोखा खा जाएगी और उसका अनुसरण करेगी (प्रकाशितवाक्य 13:3)। वर्तमान में, वह विभिन्न प्रकार की कलीसियाओं और धर्मों को एक साथ जोड़ने के लिए जीभों के नकली गुणों के उपहार का उपयोग कर रहा है - जिसमें मूर्तिपूजा भी शामिल है। इनमें से प्रत्येक को लगता है कि अलग-अलग भाषाएँ बोलना सच्चाई का प्रमाण है।

हमें आत्माओं का परीक्षण करना चाहिए

बाइबल चेतावनी देती है कि हमें आत्माओं का परीक्षण करना होगा (1 यूहन्ना 4:1)। अगर वे बाइबल से सहमत नहीं हैं, तो वे नकली हैं (यशायाह 8:19, 20)। इसके अलावा, पवित्र आत्मा के सच्चे उपहार कभी भी उनको नहीं दिया जाता है, जो जानबूझकर परमेश्वर की आज्ञा उल्लंघन करते हैं (प्रेरितों के काम 5:32)। विभिन्न भाषाएँ बोलने का एक सच्चा उपहार है। यह एक चमत्कार है जो वक्ता द्वारा पहले अज्ञात विदेशी भाषाओं को स्पष्ट रूप से बोलने में सक्षम बनाता है (प्रेरितों के काम 2:4-12)। जब उन्हें अन्य भाषाओं के लिए अपना अंतिम समय संदेश पेश करने की आवश्यकता होती है, तो परमेश्वर इस उपहार का उपयोग करता है। पेन्तेकुस्त में इसकी आवश्यकता थी क्योंकि 17 भाषाएँ बोलने वालों का समूह भीड़ में था और उनके शिष्यों को उन सभी भाषाओं का पता नहीं था।

7. क्या नए युग का आंदोलन, अच्छे और बुरे के बीच, अंतिम अंत-समय के संघर्ष में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा?

उत्तर: बिना किसी शक के! यह गुप्त, मानसिक घटना, और आत्मवाद के साथ दृढ़ता से शामिल है। पृथ्वी के समापन नाटक में आत्मवाद एक प्रमुख कारक होगा। जीभों के नकली उपहार की अलौकिक शक्ति के साथ युक्त, और कलीसियाओं के अंत समय के विश्वव्यापी गठबंधन के साथ संबद्ध, आत्मवाद दुनिया भर में छा जायेगा। आत्मा संवाद और पुनर्जन्म में नए युग का विश्वास केवल नए भेष में पपुरानी मूर्तिपूजा है। पृथ्वी पर लोगों के साथ संवाद करने वाली अमर आत्मा में यह विश्वास एक झूठ ही है, शैतान ने अदन में हवा को बताया था, “तुम निश्चय न मरोगे” (उत्पत्ति 3:4)। (मृत्यु के विवरण के लिए अध्ययन संदर्शिका 10 देखें।)

8. यह स्पष्ट है कि परमेश्वर दानियेल अध्याय 7 और प्रकाशितवाक्य अध्याय 13, 17, और 18 में मसीह विरोधी, या पोपतंत्र की गतिविधियों को प्रकट करता है।



क्या पवित्रशास्त्र में कहीं और खीष्ट विरोधी का उल्लेख किया गया है?

उत्तर: हाँ। पशु, या विरोधी, शक्ति (या इसकी गतिविधियों) को पुराने और नए नियमों की कम से कम नौ भविष्यवाणियों में संदर्भित किया जाता है: दानिय्येल 7; दानिय्येल 8, 9; दानिय्येल 11; प्रकाशितवाक्य 12; प्रकाशितवाक्य 13; प्रकाशितवाक्य 16; प्रकाशितवाक्य 17; प्रकाशितवाक्य 18; और प्रकाशितवाक्य 19। निश्चित रूप से, जब परमेश्वर एक ही शक्ति पर नौ अलग-अलग बार ज़ोर देता है, तो वह चाहता है कि हम उसे सुनें।

9. क्या शैतान का राज्य “बेबीलोन” कहलाता था, जो बाबुल के गुम्मत से आरम्भ हुआ था?

उत्तर: नहीं। यह तब हुआ जब शैतान ने स्वर्ग में परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह किया। भविष्यवक्ता यशायाह शैतान को उसके गिराए जाते समय बाबुल के राजा के रूप में संदर्भित करता है (यशायाह 14:4, 12-15)। परमेश्वर ने शैतान के राज्य को पाप की शुरुआत से बाबुल के रूप में देखा है। शैतान का उद्देश्य परमेश्वर के राज्य को मिटा देना और अपना खुद का राज्य बनाना है। यीशु ने कहा कि केवल दो पक्ष हैं (मत्ती 7:13, 14)। पृथ्वी पर हर आत्मा अंततः यीशु या बाबुल के पक्ष में चली जाएगी। यह जीवन और मृत्यु का विषय है। जो लोग यीशु की सेवा करते हैं और उसका समर्थन करते हैं उन्हें स्वर्गीय राज्य में बचाया जाएगा। जो लोग बाबुल का समर्थन करेंगे वे नष्ट हो जाएँगे। निर्णय लेने के लिए बहुत कम समय बचा है। यही कारण है कि बाबुल के खिलाफ यीशु की अंत-समय की चेतावनी पर ध्यान देना बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक है।

10. प्रकाशितवाक्य 16:12 में, फरात नदी के पानी से पूरब के राजाओं के मार्ग तैयार करने के लिए क्या सुखाया जा रहा था?

उत्तर: मादी सैन्य प्रमुख दारा द्वारा बाबुल के प्राचीन साम्राज्य पर कब्जा करने से पहले, फरात नदी का पानी, जो शहर की दीवारों के नीचे से बह रही थी उसे एक मानव निर्मित झील में बदल दिया गया। इस मोड़ ने दारा की सेना को सूखी नदी के किनारे दीवारों के नीचे से प्रवेश करके, रात को शहर पर कब्जा करने में मदद दी। प्रकाशितवाक्य की भविष्यवाणियों में, पानी लोगों का प्रतीक है (प्रकाशितवाक्य 17:15)। इस प्रकार, फरात नदी का जल “बड़े बाबुल” के अनुयायियों के विषय में कहती है, जिसका समर्थन सूख जाता है, जब वह बाबुल के खिलाफ उसे नष्ट करने के इरादे से खड़ा होता है (प्रकाशितवाक्य 17:16)।

अपनी टिप्पणियाँ या प्रश्न यहाँ लिखें



15



16



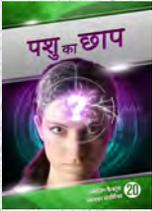
17



18



19



20



21



22



23



24



25



26



27

यह अध्ययन संदर्शिका 27 की शृंखला में से केवल एक है!

प्रत्येक पाठ आश्चर्यजनक तथ्यों से भरा हुआ है जो आपको और आपके परिवार को परिवर्तित कर देगा और आपको स्थायी उम्मीद दिलाएगा। एक भी ना चूकें।

- अध्ययन संदर्शिका 15: ख्रीस्त विरोधी कौन है?
- अध्ययन संदर्शिका 16: अंतरिक्ष से स्वर्गदूत के संदेश
- अध्ययन संदर्शिका 17: परमेश्वर ने योजनाएं बनाई
- अध्ययन संदर्शिका 18: सही समय पर! भविष्यवाणी की नियुक्तियों का खुलासा!
- अध्ययन संदर्शिका 19: अंतिम न्याय
- अध्ययन संदर्शिका 20: पशु की छाप
- अध्ययन संदर्शिका 21: बाइबल भविष्यवाणी में संयुक्त राज्य अमरीका
- अध्ययन संदर्शिका 22: दूसरी स्त्री
- अध्ययन संदर्शिका 23: मसीह की दुल्हन (चर्च)
- अध्ययन संदर्शिका 24: क्या परमेश्वर ज्योतिषियों एवं आध्यात्मिक वादों को प्रेरित करता है?
- अध्ययन संदर्शिका 25: हम परमेश्वर पर भरोसा करते हैं
- अध्ययन संदर्शिका 26: एक प्रेम जो बदलाव लाता है
- अध्ययन संदर्शिका 27: पीछे मुड़ना नहीं

इस सारांश पत्र को हल करने से पहले कृपया इस पाठ को पढ़ ले। अध्ययन संदर्शिका में सभी उत्तर पाए जा सकते हैं। सही उत्तर पर सही चिन्ह करें। कोष्ठकों में दी गई संख्या (?) सही उत्तरों की संख्या दर्शाती हैं। (✓) फॉर्म भरने के लिए कृपया “अडोबी रीडर” का उपयोग करें।

1. “बाबुल” शब्द का क्या अर्थ है? (1)

भ्रम।
विद्रोह।
धोका देने वाला।

2. बाइबल की भविष्यवाणी में माता बाबुल किसका प्रतीक है? (1)

संयुक्त राष्ट्र।
पोपंत्र।
मरियम, यीशु की मां।

3. माता बाबुल की बेटियाँ कौन हैं? (1)

नए नियम की स्त्रियाँ- प्रिस्किला, एलिजाबेथ,
और डोरकास।
यूरोप की रानियाँ।
कलीसिया, जो माता बाबुल के झूठे सिद्धांतों और
प्रथाओं का पालन करते हैं।

4. लाल पशु पर बैठी माता बाबुल किसका प्रतीक है? (1)

कलीसिया के नियंत्रण में राज्य, जो इसका पूरी तरह
से समर्थन करता है।
महिलाएँ अच्छे पशु प्रशिक्षक बनती हैं।
महिलाओं को सवारी करना चाहिए और चलना नहीं
चाहिए।

5. बाबुल के कौन से झूठे सिद्धांत लोगों को आध्यात्मिक रूप से उलझन में डाल देंगे? (4)

विवाह की पवित्रता।
मौत नींद है।
पापियों का नर्क में हमेशा के लिए जलाना।
रविवार, परमेश्वर के पवित्र दिन के रूप में।
आत्माएँ, या जीवात्मा अमर हैं।
डुबकी द्वारा बपतिस्मा।
परमेश्वर के कानून को निरस्त या संशोधित किया
गया।

6. “बाबुल गिर गया” का अर्थ है कि (1)

स्वर्ग से एक स्वर्गदूत गिर गया।
बबूल को भूकंप ने नाश है।
माता कलीसिया और अन्य कलीसियाएँ जो उसकी
झूठी शिक्षाओं को गले लगाते हैं, वे बाइबल
सच्चाई, सच्चे परमेश्वर और सच्ची उपासना से दूर
हो गए हैं।

7. कॉलम एक में प्रत्येक प्रतीक से पहले आने वाले वर्णमाला के अक्षर को कॉलम दो में उसके शाब्दिक अर्थ से पहले रखें (नीचे उदाहरण देखें)। (9)

प्रतीक

- A. स्त्री
B. पानी
C. पशु

शाब्दिक अर्थ

- यीशु और उनके पिता
झूठे सिद्धांत जो लोगों को
भ्रम में डालते हैं।
शैतान मूर्तिपूजा के जरिये
से काम कर रहा है।
कलीसिया
संदेशवाहक या संदेश
राजनीतिक शक्ति या राज्य
लोग / जनसंख्या
धर्मत्यागी प्रॉटेस्टंटिज़म
का अमेरिका में केंद्र
गडबडी (भ्रम)
दुनिया के राष्ट्र

D. पूर्व के राजा

E. झूठे नवी

F. बाबुल दाखमधु

G. 10 राजा

H. अजगर

I. स्वर्गदूत

J. बाबुल

8. फरात नदी के पानी की सूखने का प्रतीक क्या है? (1)

अंतिम दिनों में पानी की गंभीर कमी।
अंत समय में कोई खाद्य आपूर्ति नहीं होगी।
बाबुल अपने अनुयायियों का समर्थन खो देगा।

9. बाबुल एक परिवार का नाम है जिसमें लगभग सभी धर्म और कलीसिया शामिल हैं। (1)
हाँ नहीं।
10. कौन वास्तव में लोगों को बाबुल से बाहर बुलाता है? (1)
स्वर्गदूत। शैतान।
10 राजा। यीशु
11. क्या इससे बाहर निकलने के बजाए गिरने वाले कलीसिया को बदलने की कोशिश करना बेहतर नहीं होगा? (1)
हाँ नहीं।
12. बाबुल के मदीरे के नशे में रहने का क्या अर्थ है? (1)
शराबी होना।
मौज मस्ती में उससे जुड़ना।
शारीरिक रूप से बीमार होना।
उसके झूठे सिद्धांतों से भ्रम में होना।
13. अंत में यीशु और उसके लोगों के खिलाफ लड़ने के लिए कौन सी शक्तियाँ एकजुट होंगी? (3)
गैर-मसीह धर्म।
संयुक्त राष्ट्र।
विधर्मी प्रोटेस्टेंटिज्म।
अंतरिक्ष पुरुष।
पोपतंत्र।
14. जब यीशु ने अपने लोगों को बाबुल से बाहर बुलाता है, तो क्या वे बाहर आएँगे? (1)
हाँ नहीं।
15. बहुत से लोग बाबुल में हैं, लेकिन वे नहीं जानते। (1)
हाँ नहीं।
16. यदि आप बाबुल में हैं, तो क्या आप उससे बाहर आने के लिए यीशु की अत्यावश्यक आग्रह पर ध्यान देने को तैयार हैं?
हाँ नहीं।

उपरोक्त सभी प्रश्नों का उत्तर देना सुनिश्चित करें!

AMAZING FACTS

India

नामांकित होने के लिए अपना नाम, ईमेल और फोन नंबर दर्ज करें।
अपनी अगली मुफ्त अध्ययन मार्गदर्शिका प्राप्त करने के लिए
“जमा करें” पर क्लिक करें।

आपका नाम :				
आपका ईमेल :				
फोन नंबर :				
आपका पता :				
शहर जिला :	राज्य :	देश:		
पिन:	आयु वर्ग :	लिंग :		

अपनी संपर्क जानकारी अपडेट करें